दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 स्थ पर सवार हुए योगी

5 जीजा-साली का अफेयर

8 अमृतसर की गलियों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभिषेक ने छोड़ी छाप

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 15 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 06 अक्टूबर,2025

पीएम मोदी ने गाजा में ट्रंप के शांति प्रयासों को सराहा

कहा- भारत हर कोशिश का समर्थन करेगा

हमास ने बंधकों की रिहाई और गाजा की सत्ता अन्य फलस्तीनियों को सौंपने की बात मान ली है। हालांकि शांति प्रस्ताव के कई अन्य बिंदुओं पर अभी हमास ने चर्चा के बाद फैसला लेने की बात कही है।

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा में किए जा रहे शांति प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना की है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'गाजा में शांति प्रयासों में निर्णायक प्रगति के बीच हम राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व का स्वागत करते हैं। बंधकों की रिहाई के संकेत एक महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत स्थायी और न्यायसंगत शांति की दिशा में सभी प्रयासों का दृढ़ता से समर्थन करता रहेगा।'

ट्रंप ने दिया था हमास को अल्टीमेटम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में संघर्षविराम के लिए एक 20 सूत्रीय शांति प्रस्ताव तैयार किया। जिसे इस्राइल ने स्वीकार कर लिया। हमास ने भी बंधकों की रिहाई और गाजा की सत्ता अन्य फलस्तीनियों को सौंपने की बात मान ली है। हालांकि शांति प्रस्ताव के कई अन्य बिंदुओं पर अभी हमास ने चर्चा के बाद फैसला लेने की बात कही है। बता दें कि ट्रंप ने हमास को शांति प्रस्ताव पर फैसला लेने के लिए रविवार शाम छह बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। ट्रंप ने धमकी दी कि अगर हमास ने शांति प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया तो उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ट्रंप की धमकी के बाद हमास 7 अक्तूबर 2023 को बंधक बनाए गए इस्राइली लोगों को रिहा करने के लिए तैयार हो गया है। हालांकि कई बिंदुओं पर अभी फैसला होना बाकी है, लेकिन बंधकों की रिहाई गाजा में शांति लाने के लिए बड़ा कदम है। इस्राइल के 48 बंधक अभी हमास के पास हैं, जिनमें से करीब 20 की मौत हो चुकी है। बंधकों की 72 घंटे में रिहाई होनी है। इसके बदले में इस्राइल गाजा में हमले रोकने के लिए तैयार हो गया है। साथ ही गाजा से इस्राइली सेना की चरणबद्ध तरीके से वापसी की भी शर्त है।

1. गाजा को आतंक मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा, ताकि वह पड़ोसी देशों के लिए कोई खतरा न बने।
2. गाजा का पुनर्निर्माण और विकास कार्य शुरू होगा, जिससे वहां के लोगों का जीवन बेहतर हो।
3. जैसे ही दोनों पक्ष इस योजना को स्वीकार करेंगे, इस्राइल तुरंत सैन्य अभियान रोक देगा और चरणबद्ध तरीके से गाजा से सेना हटाएगा।
4. इस्राइल के सार्वजनिक रूप से योजना स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा।
5. बंधकों की रिहाई के बाद इस्राइल अपने यहां आजीवन कारावास की सजा पाए 250 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इसके अलावा 7 अक्तूबर 2023 में हमास के हमले के बाद हिरासत में लिए गए 1700 गाजावासियों की भी रिहाई होगी। इसके अलावा हर एक इस्राइली बंधक के शव के बदले इस्राइल को गाजा के 15 कैदियों के शव लौटाने होंगे।
6. जो हमास सदस्य शांतिपूर्वक साथ रहने की शपथ लेंगे, उन्हें माफी दी जाएगी। जो बाहर जाना चाहेंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता और किसी इच्छुक देश में बसने की सुविधा मिलेगी।
7. समझौते के बाद मानवीय सहायता गाजा में बड़े पैमाने पर भेजी जाएगी। रोजाना कम से कम 600 ट्रक राहत सामग्री पहुंचेंगे।
8. सहायता सामग्री का वितरण संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रिसेंट जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की तरफ से किया जाएगा।
9. गाजा का प्रशासन फलस्तीनी तकनीकी विशेषज्ञों के हाथों में होगा, जिसे एक अंतरराष्ट्रीय समिति की निगरानी में चलाया जाएगा। इसका नेतृत्व डोनाल्ड ट्रंप खुद करेंगे। ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर इसमें उनका साथ देंगे।
10. गाजा के लिए एक आर्थिक पुनर्निर्माण योजना बनाई जाएगी, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हों। इसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं आगे बढ़ाएंगी।
11. गाजा में विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित होगा, जहां करों में छूट और व्यापारिक सुविधाएं दी जाएंगी।
12. किसी भी निवासी को गाजा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। जो बाहर जाएंगे, उन्हें वापस लौटने का अधिकार होगा।
13. गाजा की शासन व्यवस्था में हमास को कोई भूमिका नहीं मिलेगी और सभी आतंकी सुरंगें व सैन्य ढांचे नष्ट किए जाएंगे।
क्षेत्रीय देश यह सुनिश्चित करेंगे कि हमास और अन्य समूह समझौते का पालन करें।
14. अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की मदद से अस्थायी सुरक्षा बल गाजा में तैनात होंगे। ये सुरक्षा और स्थानीय पुलिस को प्रशिक्षण देंगे।
15. इस्राइल न तो गाजा का विलय करेगा और न ही स्थायी कब्जा।
16. अगर हमास प्रस्ताव को मानने में देरी करता है, तो पहले आतंक-मुक्त क्षेत्रों में यह योजना लागू होगी।
17. इस्राइल कतर पर हमला नहीं करेगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय गाजा संकट में कतर की मध्यस्थता की भूमिका को मान्यता देगा।
18. गाजा के लोगों को चरमपंथ से दूर करने के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए जाएंगे।
19. जब गाजा का पुनर्निर्माण और फलस्तीनी प्राधिकरण का सुधार कार्यक्रम पूरा हो जाएगा, तब भविष्य में फलस्तीनी राज्य का रास्ता खुल सकता है।
20. अमेरिका, इस्राइल और फलस्तीन के बीच लंबे समय तक के राजनीतिक समाधान पर बातचीत को आगे बढ़ाएगा।

जानलेवा कफ सिरप

कफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में अब तक नौ बच्चों का मौत

राजस्थान के भरतपुर और सीकर में एक-एक बच्चे की मौत कफ सिरप से हुई

Nesto-DS और Coldrif नाम के कफ सिरप पर अस्थायी प्रतिबंध

कहा जा रहा है कि ज्यादातर बच्चों की किडनी खराब होने से गई जान

खांसी-जुकाम की दवा कैसे हुई जानलेवा? अब सरकार ने बताया बच्चों को कफ सिरप देने की क्या है सही उम्र

दिल्ली,एजेंसी। छिंदवाड़ा, सीकर और भरतपुर से कफ सिरप पीने के कारण अब तक कम से कम ग्यारह बच्चों की मौत का मामला सामने आया है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में अब तक कुल नौ बच्चों की मौत की बात सामने आ रही है। इसी तरह राजस्थान के भरतपुर में एक और सीकर में भी एकबच्चे की मौत का खुलासा हुआ है। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आया कि दूषित कफ सिरप से बच्चों की किडनियां फेल होने से मौतें हुई हैं। जिन बच्चों की मौत हुई है, उनमें से कुछ की किडनी बायोप्सी जांच कराई गई। जांच में पता चला कि कफ सिरप में मिला डायएथिलीन ग्लायकॉल दूषित पाया गया है।

क्या है डायएथिलीन ग्लायकॉल केमिकल?

यह एक औद्योगिक सॉलवेंट है; इसका इस्तेमाल पेंट, स्याही, रंग बनाने के लिए जाता है

कफ सिरप में भी इसका इस्तेमाल बहुत कम मात्रा में किया जाता है

ये सिरप को पतला और मीठा करता है, अधिक सेवन से किडनी पर असर पड़ता है

बच्चों को खांसी जुकाम से बचाने के लिए दी जाने वाली कफ सिरप मध्य प्रदेश और राजस्थान में जानलेवा हो गई है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में इससे कम से कम नौ बच्चों की मौत हो गई।

सीएम योगी ने जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं –

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

अमेरिका में ट्रंप ने 'दाढ़ी' पर लगाया बैन, सिख-मुस्लिम सैनिकों की बढ़ी टेंशन

राहुल गांधी का भारत और बिहार की मिट्टी से मन ऊब गया होगा इसलिए ताजी हवा खाने विदेश चले गए होंगे, शायद उन्हें विदेश ज़्यादा पसंद आ गया हो

तेज प्रताप यादव

बुखार-जुकाम और थकान से बेहाल दिल्ली

तेजी से फैल रहा H3N2 फ्लू

5 साल बाद भारत से चीन के लिए फिर शुरू होगी सीधी फ्लाइट

'50 पापा के लिए और 100...'

आर्मी फैमिली से हैं ध्रुव जुरेल

आर्मी को समर्पित की सेंचुरी

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया बाबा

सम्पादकीय

आस्था के मैदान पर

परंपराओं की परिक्रमा में यूं तो पूरा हिमाचल आस्था के मैदान पर है, लेकिन देव समाज के आलोक में फैसलों की तहरीर कुछ क्षेत्रों में लोकतंत्र से पहले और कानून के ऊपर हो जाती है। आश्चर्य होता है कि जिस धरती पर समाज चिट्टा बेचने वालों या नशे के तस्करों को नजरअंदाज कर देता है, वहां धार्मिक फैसलों की अदालत बड़ी हो जाती है। कुल्लू दशहरा के पहले ही दिन आस्था के सैलाब में विश्व के सारे आश्चर्य और धर्म के अनूठे महाकुंभ में, सिर्फ सांस्कृतिक श्रद्धा नजर आई, लेकिन इसी भीड़ की एक पतली गली में प्रशासनिक अधिकारी का जुलूस निकल गया। वहां का आंखों देखा हाल कानून व्यवस्था ने भी देखा होगा, क्योंकि सारे विश्व ने देखा कि दशहरा की ड्यूटी में तहसीलदार हरि सिंह यादव के साथ जो हुआ, नहीं होना चाहिए था। हम इस विषय की समीक्षा के बजाय, प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए यह कहना चाहते हैं कि अगर धार्मिक परंपराएं अखाड़े में तबदील हो जाएंगी, तो हर कोई अपनी मान्यताओं की व्याख्या में कानून की परिधि भूल सकता है। हो सकता है तहसीलदार ने कुछ सांस्कृतिक या धार्मिक मान्यताओं को प्राथमिकता न दी हो, फिर भी जो सार्वजनिक रूप से हुआ या दर्शाया गया, वह कानून की परिपाटी को बुलंद नहीं करता। अंततः धार्मिक अनुष्ठान हमें यह तो नहीं सिखाते कि वहां समाज विखंडनकारी हो जाए। आश्चर्य यह भी है कि इस प्रकरण में पक्ष और विपक्ष खड़ा होता दिखाई दे रहा है। एक विधायक अगर तहसीलदार के आचरण को कोस रहा है, तो पूछा यह जाना चाहिए कि कानून के पक्ष में उनकी राय क्या है। क्या सरेआम ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी को जोर जबर्दस्ती से धकिया जा सकता है या यहां भी राजनीति अपना खेल मुकम्मल होते देख रही है।

कुल्लू दशहरे के आयोजन में यूं तो चांदी के जूतों में चलते हुए राजनीति अपना प्रभाव दिखाती है, फिर भी आस्था की इन लहरों में किसी भी तरह का विद्वेष पालना अत्यंत निंदनीय व पर्वतीय सौम्यता, सभ्यता और संस्कृति के खिलाफ है। इस प्रकरण पर सरकार को त्वरित कार्रवाई करते हुए इसे सामाजिक ताने–बाने की बेहतरी के हिसाब से देखना होगा। कल अगर परंपराओं के बीच कोई जातिवाद निकल आया या कानून की दोपहरी में सामाजिक असमानता का ग्रहण निकल आया, तो ऐसे आयोजनों के झूले टूट जाएंगे। जिन्हें आपत्तियां थी, जाहिर है उनके मुकदमे होंगे, लेकिन जिन्होंने कानून को हाथों में लिया, उन्हें इसकी इजाजत न थी। पिछले कुछ समय से हिमाचल में युवा आंदोलन मुखातिब हैं और यह लगातार तीसरा अवसर है, जहां क्रोध का ज्वारभाटा बस्ती तक आया या हमारे पैमाने कसूरवार हो गए। हम कई बार लिख चुके हैं कि परंपराओं, मेलों, सांस्कृतिक समारोहों और सामाजिक सौहार्द के बीच सियासत के पांव हटाकर एक नई व्यवस्था, नई परिपाटी बनाई जाए। ऐसे तमाम मेलों, सांस्कृतिक व धार्मिक समारोह के आयोजन के लिए एक राज्य स्तरीय, मेला विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। कुल्लू प्रकरण के पीछे की असलीयत जो भी हो, इसका पटाक्षेप ऐसे माहौल की तरफ इशारा कर रहा है जिसे रोकना होगा। देव परंपराओं की पवित्रता के लिए यह घटना कोई वरदान नहीं। अगर देव परंपराएं, सामाजिक सदाशयता का प्रतीक नहीं बनतीं, तो हम विभिन्न वर्गों में बंट कर पहचाने जाएंगे, वरना यही शक्ति आपदा की तमाम निशानियों के बीच अतिक्रमणकारी प्रवृत्तियों, अवैध खनन, नशे की तस्करी और बिगड़ते पहाड़ी आचरण पर अंकुश लगा देती।

चिकित्सा का मैत्री भाव

इस क्रम में रोगी मित्र के हवाले कितना फर्ज–कितना अस्पताल आता है यह देखना होगा। जाहिर है रोगी मित्र को चिकित्सा सेवा की लाठी बनते हुए अस्पतालों की कई सीढियां–कई कडियां जोडनी पडेंगी। खास तौर पर मेडिकल कालेजों का बिखरा–बिखरा माहौल अगर रोगी मित्र के सहारे जुड़ जाए, तो इस प्रयोग को संजीवनी माना जाएगा, लेकिन अस्पतालों में तो समस्याओं के घोंसले लटके हुए हैं।

संकल्प तो अच्छा है, लेकिन फर्ज की कसौटी में सरकारी नौकरी न हो जाए। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच के लिए रोगी मित्र योजना एक जरूरत को पूरा कर सकती है, बशर्ते नौकरी के फितूर में यहां भी वेतन विसंगतियों का कॉडर न खुल जाए। यह सही है कि बड़े अस्पतालों खास तौर पर मेडिकल कालेजों में मरीज की तीमारदारी का हर अध्याय तकलीफ देता है। हिमाचल में सबसे लंबी कतारें अस्पतालों के ओपीडी कक्ष में, जबकि मेडिकल कालेजों के बिस्तर तक पहुंचने के लिए लगती हैं। ऐसे में रोगी मित्र योजना अगर बूढ़ों को असुविधा से बचाने, उन्हें डाक्टरों की प्राथमिक सूची तक पहुंचाने तथा चिकित्सा गाइड के रूप में आजमाने की एक व्यवस्था बनती है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। वैसे अस्पतालों में कार्यरत हर स्टाफ को यह बताने की जरूरत है कि रोगी और अस्पताल के बीच हर व्यक्ति एक कड़ी है। यहां डाक्टरों से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ तक को रोगी मित्र बनने की आदत या नशा होना चाहिए। आश्चर्य होता है जब कोई मरीज आपातकालीन स्थिति में स्ट्रेचर जैसी वस्तु के लिए संघर्ष करते–करते मर जाता है या सप्ताहांत अस्पताल के बिस्तर तक कोई वरिष्ठ या विशेषज्ञ डाक्टर अवकाश के कारण नहीं आता। अस्पताल की सक्रियता का एक खास मैकेनिजम है। इस क्रम में रोगी मित्र के हवाले कितना फर्ज–कितना अस्पताल आता है यह देखना होगा। जाहिर है रोगी मित्र को चिकित्सा सेवा की लाठी बनते हुए अस्पतालों की कई सीढियां–कई कडियां जोडनी पडेंगी। खास तौर पर मेडिकल कालेजों का बिखरा–बिखरा माहौल अगर रोगी मित्र के सहारे जुड़ जाए, तो इस प्रयोग को संजीवनी माना जाएगा, लेकिन अस्पतालों में तो समस्याओं के घोंसले लटके हुए हैं।

फर्ज बड़ा है या काम की दावत, इस इम्तिहान में सिर्फ आंसर शीट बदल रही है। सबसे मुश्किल है किसी इंडोर मरीज के विभिन्न परीक्षणों से गुजरना। जो सेवा किसी निजी अस्पताल के बिस्तर तक पूरा स्टाफ पहुंचाता है, क्या वैसा माहौल रोगी मित्र के सहारे हो जाएगा। हाल यह है कि तीमारदार को अस्पताल की बैसाखियां ढोनी पड़ती हैं। उन्हें वार्ड कर्मचारियों के सहायक के रूप में अपना दर्द साझा करना पड़ता है। इसमें कोई शक नहीं कि अब हर घर में एक प्रशिक्षित तीमारदार होना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि रोगी मित्रों की कुछ हद तक पोस्टिंग हर गांव में की जाए ताकि जब भी कोई गंभीर बीमार बड़े अस्पताल की ओर रुखसत करे, तो उसकी सेवाएं भी संलग्र हों। दरअसल अब मल्टीटास्क प्रशिक्षण की जरूरत है। निजी अस्पतालों में एंबुलेंस का चालक ही चिकित्सा सहायक व नर्स के रूप में मरीज को आक्सीजन की आपूर्ति व अन्य लाइफ सेविंग उपकरणों की दक्षता से संचालन कर सकता है, तो यही कार्य संस्कृति सरकारी अस्पतालों में भी आनी चाहिए। बेशक कई प्रयोग हो रहे हैं और व्यवस्था परिवर्तन की तर्ज पर सरकार काम करना चाहती है, लेकिन उच्च मानदंडों की अभिलाषा सरकारी कार्यसंस्कृति के पोखर में ठहर जाती है। बहरहाल रोगी मित्र जैसे सहयोगी से अस्पतालों की प्रबंधकीय शैली में अंतर आ सकता है, बशर्ते इस सारे कदमताल में केवल एक नौकरी बनकर कुछ कर्मचारी अस्पतालों में चस्पां न हो जाएं। 'रोगी मित्र' के जरिए सरकारी अस्पतालों की संवेदना बढ़ती है, कुछ हाथ बुजुर्गों के लिए बढ़ते हैं और चिकित्सकीय सेवाओं का अनुभव आत्मीयता से भर जाए, तो कौन नहीं चाहेगा कि ऐसे प्रयोग हर विभाग में कर्मचारियों में मैत्री तत्व विकसित करे।

छुआछूत का अभिशाप

हिमाचल प्रदेश के रोहडू में एक दलित बच्चे के साथ मारपीट और फिर उसका कथित तौर पर आत्महत्या कर लेना शर्मनाक है। यह घटना बताती है कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं। बदलाव के लिए दोषियों को दंड दिलाना ही काफी नहीं, लोगों की मानसिकता भी बदलनी होगी। घर में घुसा थाः आरोपों के मुताबिक, यह घटना 16 सितंबर की है। क्लास 6 में पढ़ने वाला 12 साल का बच्चा गांव की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। बच्चा दलित था, जबकि दुकान अगड़ी जाति के परिवार की। बताया जा रहा है कि दुकान पर कोई नहीं था, तो बच्चा घर में घुस गया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी महिला ने उसे धमकाया, मारा–पीटा और फिर घर का शुद्धिकरण करने के लिए एक बकरी की मांग की। कथित तौर पर घबराए बच्चे ने बाद में कीटनाशक पीकर जान दे दी।

हर जगह समस्याः भले ही कुछ जगहों से केस ज्यादा सामने आए हों, लेकिन कोई भी राज्य यह दावा पूरी तरह से नहीं कर सकता कि उसके यहां दलितों को किसी तरह का अपमान या अत्याचार नहीं सहना पड़ता। सरकार किसी भी दल की हो, दलितों से भेदभाव हकीकत बना हुआ है। ऐसी घटनाएं तो हमेशा सुनाई ही पड़ती रहती हैं, जहां किसी दलित दूल्हे को उसकी जाति की वजह से घोड़ी पर न बैठने दिया गया हो।

कमजोर की रक्षाः संविधान का अनुच्छेद 46 कहता है कि राज्य को समाज के कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा करनी चाहिए। देश में इसके लिए कानून भी मौजूद हैं। लेकिन समाज को भी आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है कि आज जब हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, तब भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो शर्मनाक है।

राजनीति से प्रेरित है गांधी से नफरत का अभियान

अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गांधीजी ने जाति आधारित हिंसा के खिलाफ स्पष्ट और संरचनात्मक दोनों तरह से बिताया। दलितों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के संघर्ष का नेतृत्व करने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर के साथ अपने तीखे मतभेदों के बावजूद लोगों के दिलो–दिमाग से अस्पृश्यता को दूर करने के अपने अभियान को गांधीजी ने जारी रखा था। संयुक्त राष्ट्र ने 2 अक्टूबर 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में घोषित किया है। दुनिया ने गांधी को शांति के दूत के रूप में मान्यता दी है। अहिंसा और शांति के वैश्विक प्रतीक के रूप में गांधी के सम्मान में कुल 102 देशों ने उनकी प्रतिमाएं स्थापित की हैं। वे पिछली दो सहस्राब्दियों में जन्म लेने वाले 10 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों में से एक हैं जिनके बारे में सबसे अधिक लिखा गया है। 'गांधीजी एक वैश्विक प्रतीक हैं और अहमदाबाद में उनके निवास साबरमती आश्रम को एक विश्व स्तरीय स्मारक में बदल दिया जाएगा।' 1200 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी योजना पर काम चल रहा है। भारत का शीर्ष नेतृत्व गांधीजी को छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। यह स्पष्ट रूप से समझा जाता है कि गांधीजी भारत का वैश्विक चेहरा हैं। इसलिए उनका निरतंर उल्लेख किया जाना जारी है। ।सेव त्मंक – बाढ़ की समस्या का मुकाबला कैसे करें?

बाढ़ की समस्या का मुकाबला कैसे करें

कई बांध व बड़े जलाशयों में नदियों को मोड़ दिया जाता है, उससे नदी ही मर जाती है। नदियां बांध दी जाती हैं। लोग समझते हैं कि यहां नदी तो है नहीं, क्यों न यहां खेती या इस खाली पड़ी जमीन का कोई और उपयोग किया जाए, तभी जब बारिश ज्यादा होती है तो पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता। और यही पानी बाढ़ का रूप धारण कर लेती है इससे बर्बादी होती है। मौसम बदलाव भी एक कारण है। पिछले दिनों देश के कई कोनों से लगातार बाढ़ से तबाही की खबरें आई हैं। अब यह समस्या स्थायी सी हो गई है। हर साल बाढ़ आती है, तबाही की खबरें आती हैं, लेकिन उसके बारे में पूर्व तैयारी नहीं होती। एक समग्र सोच का अभाव सभी जगह दिखाई देता है। आज बाढ़ पर थोड़ी चर्चा करना उचित होगा, जिससे इसे समग्रता में देख सकें। इसके समाधानों के बारे में सोच सकें। हम बचपन से देखते आ रहे हैं कि पहले भी बाढ़ आती थी लेकिन वह इतने व्यापक कहर नहीं ढाती थी। इसके लिए पूरी तरह लोग व गांव तैयार रहते थे। बल्कि इसका उन्हें इंतजार रहता था। खेतों को बाढ़ के साथ आई नई मिट्टी मिलती थी, भरपूर पानी लाती थी जिससे प्यासे खेत तर हो जाते थे। पीने के लिये पानी मिल जाता था, भूजल ऊपर आ जाता था, नदी नाले, ताल–तलैया भर जाते थे। समृद्धि आती थी। बाढ़ आती थी, मेहमान की तरह जल्दी ही चली जाती थी। पर यह बाढ़ तबाही मचाती है।

हम सब जानते हैं हमारे जंगल बहुत कम हो गए हैं। इससे भूस्खलन व भूक्षरण ज्यादा हो रहा है। पानी को स्पंज की तरह अपने में समाने वाले जंगल कट गए हैं। जंगलों के कटान के बाद झाड़ियां और चारे जलावन के लिये काट ली जाती हैं। जंगल और पेड़ बारिश के पानी को रोकते हैं। वह पानी को बहुत देर तो नहीं थाम सकते लेकिन पानी के वेग को कम करते हैं। वे स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। लेकिन पेड़ नहीं रहेंगे तो बहुत गति से पानी नदियों में आएगा और इधर–उधर बह जाएगा, और बर्बादी करेगा। और यही हो रहा है।

यह भी देखा जा रहा है कि पहले नदियों के आस–पास बहुत पड़ती जमीन होती थी, नदी–नाले होते थे, लम्बे–लम्बे चारागाह होते थे, दूब और घास होती थी, उनमें पानी थम जाता था। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे– नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जमीन का उपयोग किसी और कामों के लिए होने लगा है। यानी इसमें कमी आ गई है।

एक और कारण है– लगातार बढ़ता शहरीकरण और विकास कार्य भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं। बहुमंजिला इमारतें, सड़कों राजमार्गों का जाल बन गया है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध हो गए हैं। जहां पानी निकलने का रास्ता नहीं रहता है, वहां दलदलीकरण की समस्या हो जाती है। इससे न केवल फसलों को नुकसान होता है बल्कि बीमारियां भी फैलती हैं। जो तटबंध बने हैं, वे टूट–फूट जाते हैं जिससे लोगों को बाढ़ से बाहर निकलने का समय भी नहीं मिलता। इससे जान–माल की हानि होती है।

इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी अन्य गतिविधियां होने लगी हैं। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है। सब जगह पक्के कांक्रीट के मकान, हाईवे और सड़कें हैं। जैसे कुछ सालों पहले मुंबई की बाढ़ का किस्सा सामने आया था। वहां मीठी नदी ही गायब हो गई, और जब पानी आया तो शहर जलमग्न हो गया। ऐसी हालत ज्यादातर शहरों की हो जाती है।

लेकिन बाढ़ के कारण और भी हैं। जैसे बड़े पैमाने पर रेत खनन। रेत पानी को स्पंज की तरह जज्ब करके रखती है। रेत खनन किया जा रहा है। रेत ही नहीं रहेगी तो पानी कैसे रुकेगा, नदी कैसे बहेगी, कैसे बचेगी। अगर रेत रहेगी तो नदी रहेगी। लेकिन जैसे ही बारिश ज्यादा होती है, वेग से पानी बहता है, उसे ठहरने की कोई जगह नहीं रहती। कई बांध व बड़े जलाशयों में नदियों को मोड़ दिया जाता है, उससे नदी ही मर जाती है।

नदियां बांध दी जाती हैं। लोग समझते हैं कि यहां नदी तो है नहीं, क्यों न यहां खेती या इस खाली पड़ी जमीन का कोई और उपयोग किया जाए, तभी जब बारिश ज्यादा होती है तो पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता। और यही पानी बाढ़ का रूप धारण कर लेती है इससे बर्बादी होती है। मौसम बदलाव भी एक कारण है। पहले सावन–भादो में लंबे समय तक झड़ी लगी रहती थी। यह पानी फसलों के लिये और भूजल पुनर्भरण के लिये बहुत उपयोगी होता था। फसलें भी अच्छी होती थी और धरती का पेट भी भरता था। पर अब बड़ी–बड़ी बूंदों वाला पानी बरसता है, जिससे कुछ ही समय में बाढ़ आ जाती है। वर्षा के दिन भी कम हो गए हैं। बीज बचाओ आंदोलन व चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता रहे विजय जडधारी बताते हैं कि आजकल उत्तराखंड की पहचान अतिवृष्टि और तबाही से बन रही है लेकिन यदि 50 –100 साल पहले की बात करें तो यहां इससे भी ज्यादा बारिश होती थी।

मासूम के चेहरे को कुत्ते को नोंच डाला

गोरखपुर में फिर से कुत्तों का खौंफ, घर के बाहर खेलते वक्त कर दिया हमला

गोरखपुर,संवाददाता। रामपाल राज ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनका दो वर्षीय बेटा सुरंदरम घर के बाहर खेल रहा था, जबकि पत्नी शालू घर में खाना बना रही थीं। तभी वहां से निकल रहे आवारा कुत्तों की झुंड में से एक कुत्ते ने उनके बेटे सुरंदरम पर हमला कर दिया।

सहजनवां थाना क्षेत्र के डुमरी चौराहे पर शुक्रवार सुबह घर के बाहर खेल रहे दो साल के मासूम सुरंदरम पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। मासूम की मां शालू की नजर पड़ी तो उन्होंने शोर मचाया। इस पर जुटे आस–पास के लोगों ने कुत्ते को दौड़ाया तो वह मासूम को छोड़कर भाग गया।

परिजनों ने उसे गंभीर हालत में शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्राइवेट कर्मी रामपाल राज का घघसरा चौकी अंतर्गत डुमरी चौराहे पर मकान है। रामपाल राज ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनका दो वर्षीय बेटा सुरंदरम घर के बाहर खेल रहा था, जबकि पत्नी शालू घर में खाना बना रही थीं।

तभी वहां से निकल रहे आवारा कुत्तों की झुंड में से एक कुत्ते ने उनके बेटे सुरंदरम पर हमला कर दिया। बेटे की चीख पुकार सुनकर उनकी पत्नी शालू शोर मचाकर कुत्ते से मासूम को बचाने लगी, शोर–शराबा सुनकर परिवार के अन्य लोग मौके पर आ गए और कुत्ते को भगाकर मासूम को उसके चंगुल से बचाया, लेकिन तब कुत्ता मासूम के होंठ व चेहरे पर जख्म दे चुका था।

परिवार के लोग उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली ठर्रापार लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने मासूम का इलाज शुरू किया। बच्चे को तुरंत एंटी–रेबीज इंजेक्शन लगाया गया और अन्य आवश्यक उपचार दिए गए। इसके बाद उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। हालांकि परिजन उसे जिला अस्पताल न ले जाकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

तेज आंधी में चौरीचौरा से मैरवां के बीच रेलवे ट्रैक पर गिरे पेड़, ॥ ट्रेनें फंसी

गोरखपुर। जानकारी के मुताबिक, चौरीचौरा से सरदारनर, बैतालपुर से देवरिया, भटनी से नूनखार, बनकट से मैरवा रेल खंड के बीच पेड़ गिरने से रेल ट्रैक बाधित हो गया। इसके चलते बिहार जाने वाली पूर्वांचल एक्सप्रेस, पूरबिया एक्सप्रेस, दरभंगा क्लोन एक्सप्रेस, आनंद विहार–सीतामढ़ी एक्सप्रेस को गोरखपुर कैंट स्टेशन पर रोक दिया गया।शुक्रवार की देर रात तेज बारिश के बीच के आंधी में चौरीचौरा से मैरवां, देवरिया के बीच छह स्थानों पर रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिर गया। इससे ट्रेनों का संचलन प्रभावित हो गया। 11 ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। शनिवार सुबह कुछ ट्रेनों को डायवर्ट कर कैंट स्टेशन से कप्तानगंज–पनियहवा के रास्ते चलाया गया।

जानकारी के मुताबिक, चौरीचौरा से सरदारनर, बैतालपुर से देवरिया, भटनी से नूनखार, बनकट से मैरवा रेल खंड के बीच पेड़ गिरने से रेल ट्रैक बाधित हो गया। इसके चलते बिहार जाने वाली पूर्वांचल एक्सप्रेस, पूरबिया एक्सप्रेस, दरभंगा क्लोन एक्सप्रेस, आनंद विहार–सीतामढ़ी एक्सप्रेस को गोरखपुर कैंट स्टेशन पर रोक दिया गया।

वहीं, आनंद विहार गोरखपुर एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस को डोमिनगढ़ स्टेशन पर खड़ा किया गया। इसके अलावा बिहार से आने वाली ट्रेनों को देवरिया, भटनी, सिवान स्टेशनों पर खड़ा किया गया। ट्रेनों के घंटों खड़ा होने से यात्रियों की मुकिश्लें बढ़ गई। सभी जगहों पर रेलवे स्टॉफ ने तेजी पेड़ कोहटाने और रेलवे ट्रैक को दुरुस्त कर ट्रेनों को चलाने में जुट गए। दोपहर बाद ट्रेनों के आवागमन के सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है।

चार बहनों के इकलौते भाई की मौत

जर्जर मकान की छत का छज्जा गिरने से एक लड़के की गई जान, दूसरा घायल

गोरखपुर,संवाददाता। मृतक गांव के पास ही कॉलेज में पढ़ाई करता है। उसके पिता नकहा स्टेशन पर मजदूरी का काम करता है, वह चार बहनों में एक अकेला भाई था। चिलुआताल थाना क्षेत्र स्थित विशुनपुर गांव के सप्टहिया टोले में नगीना यादव के मकान का छज्जा गिर गया जिसकी चपेट में आकर नगीना का बेटा सागर चौहान व उसका चचेरा भाई सनी चौहान घायल हो गए जिसमे सनी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सुबह 11 बजे के आसपास सनी कुमार पुत्र जगदीश चौहान उम्र 19 वर्ष अपने चचेरे भाई सागर चौहान पुत्र नगिना चौहान के साथ उसके घर के सीढ़ी पर बैठा था कि तभी अचानक से घर का छज्जा टूटकर दोनों के ऊपर गिर गया। तेज आवाज सुनकर घर वाले और पड़ोस से जगदीश के परिवार के लोग पहुंचे देखा कि दोनों लड़के छज्जे के नीचे दबे थे।

ग्रामीणों की सहायता से दोनों को किसी तरह निकाल कर बालापार स्थिय महायोगी गुरु गोरखनाथ अस्पताल ले गए। जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल में डाक्टरों ने सनी कुमार को मृतक घोषित कर दिया और सागर को इलाज के लिए एडमिट करा दिया सागर का पैर टूट गया है और अन्य हिस्सों पर भी चोट लगा है। मृतक गांव के पास ही वंसराज इंटर कॉलेज में पढ़ाई करता है। उसके पिता नकहा स्टेशन पर मजदूरी का काम करता है, वह चार बहनों में एक अकेला भाई था। मृतक भाई बहनों में तीसरे नंबर में था।

गोरखनाथ मंदिर से निकली गोरक्षपीठाधीश्वर की परंपरागत शोभायात्रा,

रथ पर सवार हुए योगी

गोरखपुर,संवाददाता। महंत की पगड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शोभायात्रा के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आर्य नगर रामलीला कमेटी से मानसरोवर रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला में पहुंच कर भगवान राम की आरती उतार कर राम का राज तिलक करेंगे। सत्य, न्याय और धर्म की विजय प्रतिष्ठा के पावन महापर्व विजयदशमी के अवसर पर गुरुवार शाम गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर की पारंपरिक विजय शोभायात्रा आस्था के उल्लास, उमंग–तरंग की लहरों पर सवार होकर निकली। शोभायात्रा के रास्ते में सर्वसमाज की तरफ से हुई अगवानी गोरक्षपीठ के मार्गदर्शन में सामाजिक ताने–बाने की मजबूती का संदेश दे रही थी।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली इस शोभायात्रा का अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने भी जबरदस्त उत्साह से स्वागत कर तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को मुहतोड़ जवाब दिया। रथ रूपी विशेष वाहन में गोरखनाथ मंदिर के महंत के पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर का मुस्लिम और सिंधी समाज के साथ ही सर्वसमाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। पीठाधीश्वर योगी ने उन्हें आशीर्वाद दिया, मंगलमय जीवन की कामना की और शारदीय नवरात्र अनुष्ठान का प्रसाद दिया।

नाथ संप्रदाय की विश्व प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के कई अनुष्ठान अद्भुत और विहंगम हैं। इन्हीं में से एक प्रमुख अनुष्ठान है विजयदशमी की शोभायात्रा। गुरुवार को इस पावन पर्व पर शाम करीब सवा चार बजे से गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का पूजन कर और उनका आशीर्वाद लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ रथ रूपी विशेष वाहन में सवार हुए। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। नाथपंथ के विशेष वाद्ययंत्र नागफनी, तुरही, नगाड़े, डमरू व बैंड बाजे की धुन और श्रीश्री हनुमान दल के बालकों के हैरतंगेज करतब के बीच शोभायात्रा आगे बढ़ी। पूरे रास्ते दोनों किनारे पर श्रद्धा से भाव विभोर लोग गोरक्षपीठाधीश्वर की एक झलक पाने को आतुर नजर आ रहे थे। जबकि संस्कृति विभाग के जरिये दस दलों के कलाकार अलग–अलग स्थान पर लोक संस्कृति की प्रस्तुतियों से शोभायात्रा का अभिनंदन कर रहे थे।

जैसे ही गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई वाली शोभायात्रा गोरखनाथ मंदिर से आगे बढ़ी, मुस्लिम और बुनकर समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। उर्दू अकादमी के निवर्तमान अध्यक्ष चौधरी कैफुलवरा ने बुनकर व पसमांदा समाज की ओर से गोरक्षपीठाधीश्वर का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने मुस्कुराते हुए उनका अभिवादन स्वीकार किया और उन्हें व उनके समाज के लोगों को गोरखनाथ मंदिर के नवरात्र अनुष्ठान का प्रसाद दिया। अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने इस प्रसाद को माथे से लगाकर गोरक्षपीठाधीश्वर के प्रति कृतज्ञता जताई। थोड़ी दूर आगे बुनकर वेलफेयर सोसायटी के लोगों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर का स्वागत किया। इस दौरान रास्ते के दोनों तरफ बने मकानों पर बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे अपने मोबाइल फोन में सीएम योगी की तस्वीर खींचते रहे, वीडियो बनाते रहे। इनमें बड़ी संख्या अल्पसंख्यक समाज के लोगों की थी। चौधरी कैफुलवरा ने बताया कि उनका परिवार पीढ़ियों से गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ मत, मजहब के विभेद से परे सभी को मानव मात्र के नजरिये से देखता है।

अल्पसंख्यक समाज के लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर का रथ आगे बढ़ा तो श्री दुर्गोत्सव समिति के पंडाल के सामने और श्री झूलेलाल मंदिर के सामने बड़ी संख्या में मौजूद सिंधी समाज के लोगों ने शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया। मानसरोवर मंदिर तक पूरे रास्ते में शोभायात्रा के स्वागत का सिलसिला चलता रहा। गोरखनाथ मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर विराम स्थल तक गोरक्षपीठाधीश्वर के स्वागत को लेकर लोगों के उत्साह और उत्सुकता आकाश छू रही थी।

महादेव का अभिषेक कर किया श्रीराम का राजतिलक

जय श्रीराम के जयघोष और तमाम वाद्ययंत्रों की धुन के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर योगी की विजय शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंची। यहां गोरक्षपीठाधीश्वर ने गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर देवाधिदेव महादेव व अन्य देव विग्रहों की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की। महादेव का अभिषेक भी किया। मानसरोवर मंदिर में पूजन के उपरांत सीएम योगी की शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान में पहुंची। यहां चल रही रामलीला में उन्होंने प्रभु श्रीराम का राजतिलक किया। इसके साथ ही प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी का पूजन कर आरती भी उतारी।

बलिया में हादसे...आठ लोगों की थम गई सांसें

बेटे की मौत के बाद मां ने लगाया फंदा

बलिया,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में विभिन्न हादसे में आठ लोगों ने अपनी जान गंवा दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर विवाहिता की मौत के बाद हंगामा कर रहे परिजनों को भी समझाया गया। फेफना थाना क्षेत्र के नसीराबाद गांव में शुक्रवार को इकलौते बेटे की मौत से आहत मां बसंती देवी (60) का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। नसीराबाद के ग्रामीणों ने बताया कि बसंती देवी पत्नी स्वर्गीय शारदानंद पांडेय का इकलौता पुत्र मनोहर पांडेय बीएसएफ में तैनात था। चंडीगढ़ में इलाज के दौरान बृहस्पतिवार को मौत हो गई। मौत की खबर पर मां बसंती देवी को सदमा लग गया। शनिवार की सुबह बेटे का शव गांव में दाह संस्कार के लिए आएगा। बेटे की मौत से आहत मां बार–बार यहीं कहतीं रहीं कि जब बेटा ही नहीं रहा तो आखिर मैं अब जी कर क्या करूंगी। परिजनों ने समझाया बुझाकर शांत किया था। परिवार के सभी सदस्यों के सो जाने के बाद बसंती देवी कमरे में चल गईं। सुबह कमरे में फंदे से शव लटकता देख परिवार वाले सकते में आ गए। परिजनों ने बताया कि अब मां व बेटे का एक साथ दाह संस्कार किया जाएगा। इस बाबत थाना प्रभारी विश्वदीप सिंह ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रसूता की मौत, महिला चिकित्सक पर केस दर्ज

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण मानक विहीन निजी अस्पताल में एक और प्रसूता की मौत हो गई। 24 घंटे बाद भी विभाग ने कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं किया। सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के न्यू दीप लोक निजी अस्पताल में सिजेरियन से प्रसव के दौरान प्रसूता पूजा चौरसिया 28 वर्ष की मौत हो गई। पति की तहरीर पर पुलिस ने डॉ. रश्मि राय पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। सदर कोतवाली के अमृतपाली निवासी नीरज चौरसिया ने दी तहरीर में आरोप लगाया कि मेरी पत्नी पूजा चौरसिया को दूसरी डिलेवरी के लिए मायका मासूमपुर गई थी। 22 अगस्त को पूजा ने अपनी रिपोर्ट डॉक्टर रश्मि राय को दिखाई। उन्होंने छह–सात दिन में दर्द होने पर आकर दिखाने के लिए कहा था। डॉक्टर ने नॉर्मल डिलेवरी की बात कही थी। एक अक्तूबर को दर्द होने पर पत्नी पूजा निजी अस्पताल पर पहुंचीं। डॉक्टर रश्मि राय ने हालत गंभीर बताकर ऑपरेशन से प्रसव कराया। कुछ देर बाद ज्यादा ब्लीडिंग होने पर डॉक्टर दोबारा ओटी में ले गई।

हमलोग तबीयत खराब होने पर बार–बार रेफर करने की गुहार लगा रहे थे लेकिन चिकित्सक ने कहा कि सब ठीक है। कुछ देर बाद मुझे बताया कि पूजा को हार्ट अटैक आ गया है, इससे मौत हो गई। नीरज ने लापरवाही से ऑपरेशन के दौरान नस काटने के कारण ज्यादा खून गिरने से मौत का आरोप लगाया। थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने कहा कि मृतका के पति की तहरीर पर महिला चिकित्सक पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

गंगा में डूबने से युवक की मौत

बैरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुर कन्हई ब्रह्म बाबा स्थान के समीप बृहस्पतिवार को वीरेंद्र यादव (47) गंगा में स्नान करते समय डूब गए। सूचना पर घटनास्थल पर एनडीआरएफ की टीम पहुंची। 24 घंटे के बाद शुक्रवार की सुबह युवक का शव नदी में उतराया मिला। चिरैयामोड़ निवासी वीरेंद्र यादव गोपालपुर कन्हई ब्रह्म बाबा स्थान के समीप गंगा घाट पर दशहरा पर गंगा स्नान कर रहे थे। पैर फिसलने से गहरे पानी में डूब गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने एनडीआरएफ को मौके पर बुलाया। हालांकि एनडीआरएफ की टीम वीरेंद्र की तलाश नहीं कर सकी। दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह घटनास्थल से कुछ दूरी पर नदी में शव उतराया मिला। वीरेंद्र यादव के तीन पुत्रियां व एक बेटे के अलावा पत्नी मीरा देवी का रो–रो कर बुरा हाल है। नायब तहसीलदार रजनीश सिंह ने उच्चाधिकारियों को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। थाना प्रभारी मूलचंद चौरसिया ने बताया कि गंगा स्नान करते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई।

विषाक्त पदार्थ खाने से विवाहिता की मौत

नगरा थाना क्षेत्र के मउरहा गांव में 30 वर्षीय विवाहिता आरती देवी की विषाक्त पदार्थ खाने से मौत हो गई। मऊरहा गांव निवासी मिट्ठू शाह की पत्नी आरती देवी (30) मंगलवार की सुबह विषाक्त पदार्थ खा लेने से अचेत हो गईं। परिजन उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में बिहार के बक्सर जिले के चक्की थाना क्षेत्र के चक्की रंगी डेरा निवासी भाई पिंटू शाह की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया है।

पुलिस को दी तहरीर में उसने आरोप लगाया कि उनकी बहन से देवर चंदन शाह का साला दुबहड़ थाना क्षेत्र के कछुआ रामपुर निवासी शुभजीत मोबाइल पर बात करता था। बहन ने उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया था। इसके बाद भी दिसरे नंबरों से फोन कर वह परेशान करता था। इससे क्षुब्ध होकर 30 सितंबर बहन ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इससे उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

सहतवार थाना क्षेत्र के सुरहिया (धरवार गांव) के सामने बृहस्पतिवार की रात रेवती से मेला देखकर घर लौट रहे बाइक सवार सुनील यादव (35) की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ट्रक को थाना लेती गई। बांसडीह कोतवाली के जयनगर निवासी सुनील यादव बाइक से दशहरे का मेला घूमने रेवती गए थे। मेला देखकर देर शाम अपने घर जयनगर जा रहे थे। सहतवार से आगे सुरहिया (धरवार गांव) के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। सुनील की मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी अनिल सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में युवक की मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बड़ी बहन के साथ मेला देखने जा रहे भाई की सड़क हादसे में मौत

नरहीं थाना क्षेत्र के सरायकोटा गांव निवासी विकास यादव गुरुवार को करीमुद्दीनपुर गांव से बड़ी बहन नेहा के साथ विजयदशमी का मेला देखने बाइक से जा रहा था।

करीमुद्दीनपुर थाना के पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के सर्विस रोड पर पिकअप ने टक्कर मार दी। विकास की मौके पर मौत हो गई।

बड़ी बहन भी गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजवा दिया। सरायकोटा गांव निवासी विमलेश यादव ने बताया कि मेरा बेटा विकास यादव (18) गुरुवार को करीमुद्दीनपुर गांव से बड़ी बहन को बाइक पर बैठाकर दशहरे का मेला दिखाने जा रहा था। बीच रास्ते में हादसा हो गया। बड़ी बहन नेहा का इलाज वाराणसी में चल रहा है।

करंट लगने से मवेशी की मौत

रेवती क्षेत्र के चौबे छपरा गांव में बिजली के खंभे के सपोर्ट के लिए लगाए गए तार में आए करंट की चपेट में आने से गुरुवार की सुबह कमलेश यादव की मवेशी की मौत हो गई। कमलेश ने बताया कि घर के बाहर मवेशी को बांधा गया था। किसी प्रकार बंधन से मुक्त होकर मवेशी घर के पास स्थित खंभे से स्पर्श कर गई। खंभे को छूते ही मवेशी की जान चली गई। बिजली के तार की जर्जर स्थिति से कई बार निगम को अवगत कराया गया था। निगम के लोगों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। निगम से मुआवजे की मांग की गई है।

बारिश को लेकर आरेंज अलर्ट

गोरखपुर समेतआस–पास झूमकर बरसेंगे बद्दरा

सुबह से हो रही हल्की फुहार संग बारिश

गोरखपुर,संवाददाता। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अनुकूल सिनॉप्टिक और भूभौतिकीय परिस्थितियों और आंतरिक ओडिशा और इससे सटे छत्तीसगढ़ पर अवस्थित अवदाब से पहले उत्तर–उत्तर–पश्चिमी दिशा और उसके बाद उत्तरी दिशा में आगे बढ़ने से पूर्वी उत्तर प्रदेश के मौसम में बदलाव हुआ है। नवरात्र के नवमी की रात से बदला मौसम का मिजाज आगे भी यूं ही बना रहेगा। मौसम विभाग ने शनिवार को बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान विभाग ने कुछ स्थानों पर भारी तो कुछ स्थानों पर भारी भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। सुबह से ही मौसम खराब बना हुआ है। कहीं कहीं बारिश और छीटों के साथ तेज हवाएं शुरू हो गई हैं। शनिवार को मौसम के हाल ने लोगों को परेशान कर दिया। वहीं, छह और सात अक्तूबर को भी गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। पहले सप्ताह के बाद बारिश की तीव्रता में कमी आएगी। शुक्रवार को 1. 5 एमएम बारिश दर्ज की गई।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अनुकूल सिनॉप्टिक और भूभौतिकीय परिस्थितियों और आंतरिक ओडिशा और इससे सटे छत्तीसगढ़ पर अवस्थित अवदाब से पहले उत्तर–उत्तर–पश्चिमी दिशा और उसके बाद उत्तरी दिशा में आगे बढ़ने से पूर्वी उत्तर प्रदेश के मौसम में बदलाव हुआ है।

मौसम विभाग ने पांच अक्तूबर तक भारी से बहुत भारी बारिश के साथ ही चार अक्तूबर को कहीं–कहीं भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। इसके साथ ही वहां बने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से छह अक्तूबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि और भारी बारिश की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर और देवरिया समेत आसपास के जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने के आसार हैं।

मौसम की उठापटक के बीच शुक्रवार को मौसम का मिजाज काफी राहत भरा रहा। सुबह से ही बादल छाए रहे और दिनभर छिटपुट बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा। मौसम के इस मिजाज से अधिकतम तापमान में करीब साढ़े तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और यह 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक रहा। इस दौरान अधिकतम आर्द्रता 95 जबकि न्यूनतम 78 प्रतिशत दर्ज की गई। शुक्रवार को 1.5 एमएम बारिश दर्ज की गई।

संभल में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद के ध्वस्तीकरण पर हाईकोर्ट का रोक लगाने से इनकार

प्रयागराज। संभल में सरकारी तालाब की जमीन पर बनी मस्जिद को ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने वाली याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। लगातार दूसरे दिन सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मस्जिद और मैरिज लान को ध्वस्त करने के लिए जारी आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया है। इस फैसले से मुस्लिम पक्ष को तगड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद व मैरिज हाल के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। ध्वतीकरण की कार्रवाई के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में त्वरित सुनवाई की मांग के साथ याचिक याचिका दाखिल की थी, जो शनिवार को खारिज कर दी गई। आरोप है कि यह मस्जिद सरकारी तालाब की जमीन पर बनी थी। इस मामले में लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। यह फैसला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने दिया है।

यह याचिका सरकारी जमीन से बेदखली की कार्रवाई के खिलाफ उपलब्ध वैकल्पिक विधिक उपचार के कारण खारिज की गई है। बहस के बाद याची मुस्लिम पक्षकारों ने याचिका वापस ले ली। हाईकोर्ट ने कहा कि याची तहसीलदार की ओर से जारी बेदखली आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करने के लिए स्वतंत्र है।कोर्ट ने अपीलीय प्राधिकारी को मुस्लिम पक्षकारों की अपील पर हाईकोर्ट के इस आदेश से प्रभावित हुए बिना गुणदोष के आधार पर फैसला लेने का निर्देश दिया है।

यह है पूरा मामला

संभल में तालाब की जमीन पर बने मैरिज हॉल और मस्जिद के ध्वस्तीकरण के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में मस्जिद कमेटी ने तत्काल सुनवाई की मांग के साथ याचिका दाखिल की थी। मामले में शुक्रवार की दोपहर सुनवाई तो हुई लेकिन कोर्ट ने कोई अंतरिम राहत नहीं दी है। याचिका में मसाजिद शरीफ गोसुलबारा रावा बुजुर्ग और मस्जिद के मुतवल्ली मिंजर ने ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी और शशांक त्रिपाठी ने दावा किया कि बरात घर पहले ही गिरा दिया गया है। फिर भी प्रशासन की ओर से ध्वस्तीकरण के लिए गांधी जयंती और दशहरे का दिन चुना गया। दूसरी ओर सरकार का आरोप है कि मस्जिद का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर है और प्रशासन ने अवैध निर्माण हटाने के लिए मस्जिद कमेटी को चार दिन की मोहलत दी थी।

असलहा के साथ खेल रह था मासूम , आचानक हुआ फायरिंग

देवरिया। कोतवाली क्षेत्र के नदौली गांव निवासी रोशन यादव के घर उनका भांजा भटनी थाना क्षेत्र के गुदरी टोला डेमूसा निवासी शिवांश यादव गोलू (5) वर्ष पुत्र रंजन यादव रहकर पढ़ाई करता है। बृहस्पतिवार की सुबह एक असलहा लेकर खेल रहा था। इसी बीच गोली चल गई और उसके कमर के ऊपर पेट में लग गया। गोली की आवाज सुन परिवार के लोग दौड़ पड़े। असलहा के साथ खेल रहे एक मासूम के कमर के ऊपर गोली लग गई। गोली की आवाज सुन मौके पर जब परिजनों ने पहुंचा तो खून से लतपथ देख दंग रह गए। आनन फानन में परिवार के लोगों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देख चिकित्सक ने पुलिस को सूचना देते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। उधर सीओ मनोज कुमार, कोतवाल सुनील कुमार पटेल मौके पर पहुंच घटना स्थल का निरीक्षण किया। इसको लेकर गांव में दहशत फैल गया। कोतवाली क्षेत्र के नदौली गांव निवासी रोशन यादव के घर उनका भांजा भटनी थाना क्षेत्र के गुदरी टोला डेमूसा निवासी शिवांश यादव गोलू (5) वर्ष पुत्र रंजन यादव रहकर पढ़ाई करता है। एक असलहा लेकर खेल रहा था। इसी बीच गोली चल गई और उसके कमर के ऊपर पेट में लग गया। गोली की आवाज सुन परिवार के लोग दौड़ पड़े। मासूम को खून से लतपथ देख सब लोग आवक हो गए।

जीजा–साली का अफेयर

शरीर पर थी सिर्फ हड्डियां... पूरी तरह सड़ गया था किशोरी का शव, युवक की लाश का था ऐसा हाल

कानपुर देहात। कानपुर देहात के जंगल में जीजा–साली के शव क्षतविक्षत मिले हैं। युवक के आधार कार्ड और किशोरी के कपड़ों, हुलिये से पहचान हो गई है। दोनों में प्रेम–प्रसंग चल रहा था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के मूसानगर थाना इलाके के किशवा दुरौली के जंगलों में गुरुवार सुबह कई दिन से घर से गायब युवक और किशोरी के क्षतविक्षत (सड़े–गले) शव मिले। दोनों की शिनाख्त जीजा–साली के रूप में हुई है। शव के पास से जहरीले पदार्थ की पुड़िया व गिलास मिलने पर पुलिस आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। वहीं, किशोरी की गुमशुदगी की जांच में लापरवाही पर देवराहट के थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है। किशवा दुरौली के जंगल में मवेशी चरा रहे ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह पानी भरे खेत में किशोरी व युवक का सड़ा गला शव देखा। किशोरी का शव पूरी तरह से सड़ा व नोचा हुआ था, शरीर पर हड्डियां ही थीं।

वहीं, युवक का शव भी बुरी तरह क्षतविक्षत हो चुका था। घटना की जानकारी पर सीओ भोगनीपुर संजय सिंह, थानाध्यक्ष मूसानगर कालीचरन पहुंचे।पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। छानबीन में युवक की जेब से एक आधार कार्ड मिला। इसमें नाम, पते से पुलिस ने राजपुर थाना क्षेत्र के खरतला निवासी महावीर से संपर्क किया। महावीर ने युवक की शिनाख्त अपने बेटे उमाकांत (22) के रूप में की।

कपड़ों व हुलिए से किशोरी के शव की पहचान

वहीं, पास में मिले किशोरी के शव को उमाकांत की 16 वर्षीय साली का होने की आशंका जताई। इसके बाद पुलिस ने युवक की पत्नी व उसके ससुर को बुलाया। इनके पहुंचने पर कपड़ों व हुलिए से किशोरी के शव की पहचान हो सकी।

दोनों के बीच प्रेम–प्रसंग होने की वजह से हत्या की आशंका

परिवार के लोगों ने किशोरी के 25 सितंबर से व उमाकांत के रविवार से गायब होने की जानकारी दी। पुलिस ने मौके से मिली जहरीले पदार्थ की पुड़िया व स्थिति को देखते हुए दोनों के जहर खाकर जान देने की आशंका जताई है। महावीर ने दोनों के बीच प्रेम–प्रसंग होने की वजह से हत्या किए जाने की आशंका जताई है।

दोनों के शव चार से पांच दिन पुराने

थानाध्यक्ष कालीचरन ने बताया कि दोनों के शव चार से पांच दिन पुराने लग रहे हैं। देखने में प्रतीत होता है कि पहले दोनों ने जहर खाया और पास में गिर गए और वहीं पड़े रहे। सीओ संजय सिंह ने बताया कि घटना में कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने व तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रविवार को शाहजहांपुर से निकला था उमाकांत

उमाकांत शाहजहांपुर के राजपुर में किराये के मकान में पत्नी व दो बच्चों के साथ रह रहा था। वह पानी पूरी का ठेला लगाता था। पत्नी ने बताया कि रविवार दोपहर पति घर से किसी काम से जाने की बात कह कर निकले थे। इसके बाद नहीं लौटे। गुरुवार को बहन व पति का शव मिलने की जानकारी हुई।

उसने बताया कि तीन साल पहले शादी हुई थी। उसके एक तीन वर्ष का बेटा व चार माह की पुत्री है। शादी के कुछ दिनों बाद से ही छोटी बहन के पति से संबंध हो गए थे। इसके लेकर उसकी पति से अनबन चल रही थी। बताया कि पति छोटी बहन को साथ रखने का दबाव बनाते थे। कई बार भाग जाने की बात भी कही थी। युवक व किशोरी ने आत्महत्या की है। किशोरी के घर से गायब होने की देवराहट थाना में शिकायत की गई थी। थाना पुलिस द्वारा लापरवाही की गई। थानाध्यक्ष ने उच्चाधिकारियों को भी जानकारी नहीं दी। लापरवाही पर थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है। मामले में जांच चल रही है।

श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, एसपी

लापता थे जीजा-साली

- काफी समय से चल रहा था दोनों का अफेयर
- जंगल में मिला नाबालिग साली का कंकाल
- जीजा की भी ऐसे हाल में मिली लाश

उटंगन हादसे के बाद हर गली से रोने की आवाज, हर घर में सन्नाटा

उत्तर प्रदेश के अकोला जिले के कुशियापुर गांव में दुर्गा विसर्जन के दौरान हुए हादसे से मातम छाया है। गांव के पांच परिवारों ने अपने चिराग खो दिए। पीड़ित परिवारों का रो–रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं और हर तरफ शोक की लहर है।

अकोला। मुख्य सड़क से कुशियापुर गांव के लिए मुड़ने के बाद 10 कदम चलते ही एक घर से रोने की आवाज सुनाई पड़ते ही कदम ठिठक जाते हैं। यह गुरुवार को विसर्जन में डूबे ओके का घर था, मां शांति देवी और बाबा का रोकर बुरा हाल था। गांव में 200 मीटर अंदर जाने पर मनोज, बीनेश, ओमपाल, गगन और अभिषेक के घर पड़ते है। सभी 200 मीटर के दायरे में रहते हैं।

एक दूसरे के सुख–दुख में शामिल होना उनके जीवन का हिस्सा है।

किसी एक पर मुसीबत हो तो सब साथ खड़े रहते हैं, लेकिन शुक्रवार को पूरा गांव सिसक रहा था। हर गली से रोने की आवाज आ रही थी। परिवार की महिलाओं का करुण क्रंदन लोगों का दिल दहला रहा था। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए हादसे के बाद कुशियापुर गांव का माहौल मातम और सन्नाटे में डूबा हुआ है।ओमपाल के परिवार का बुरा हाल था। उनके पिता की 10 वर्ष पहले मृत्यु हो गई थी। इकलौते बेटे थे। वृद्ध मां के अलावा पत्नी रचना व दो बच्चों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। मां और पत्नी का रोकर बुरा हाल था। गांव की गलियों से लेकर चौपाल तक हर जगह सन्नाटा पसरा हुआ था। हादसे को 36 घंटे बीत चुके हैं, घरों के चूल्हे तक नहीं जले। हर कोई अपने आंसू रोक नहीं पा रहा है।

हादसे में गांव के पांच परिवारों ने अपने चिराग खो दिए हैं, वहीं अन्य डूबे हुए युवकों की तलाश जारी है। हर घर से रोने–बिलखने की आवाजें सुनाई दे रही हैं। पुरुष स्तब्ध खामोशी में आंखें नम किए हुए हैं। बच्चों तक की आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। गांव के बुजुर्गों का कहना था कि ऐसा हादसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। गांव के लोग लोग एक–दूसरे को ढांढस बंधाने की कोशिश कर रहे थे। मगर, किसी के पास सांत्वना के शब्द नहीं थे। चारों ओर सिर्फ आंसुओं और दर्द की नदी बह रही है। शुक्रवार को गांव में किसी भी घर में चूल्हा नहीं जला। ग्रामीणों का कहना था कि जब पूरा गांव ही गम में डूबा हो तो किसी के मन में निवाले की इच्छा भी कैसे उठे।

बांके बिहारी मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाने का मामला

दर्शन समय वृद्धि के खिलाफ याचिका दायर हाईपावर कमेटी को न्यायालय का नोटिस वीआईपी दर्शन मामले में गोस्वामी पर जिम्मेदारी

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के समय को बढ़ाने के हाईपावर कमेटी के आदेश के विरुद्ध न्यायालय में याचिका दायर की गई है जिस पर न्यायालय ने कमेटी को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि कमेटी को मंदिर की सेवा पूजा में बदलाव का अधिकार नहीं है। मंदिर प्रबंधक ने वीआईपी दर्शन मामले में गोस्वामी को जिम्मेदार ठहराया है। अगली सुनवाई 3 नवंबर को होगी।

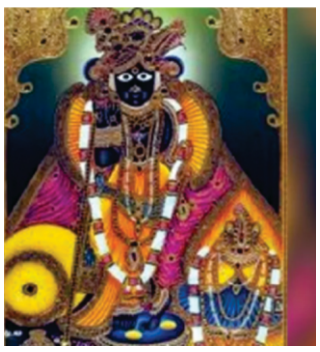

संवाददाता, मथुरा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन के समय में बढ़ोतरी करने के हाईपावर कमेटी के आदेश के विरुद्ध सिविल जज जूनियर डिवीजन के न्यायालय में दाखिल याचिका पर शुक्रवार को हाईपावर कमेटी को नोटिस जारी करने के आदेश न्यायालय ने जारी किए।

अब अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाईपावर कमेटी ने दर्शन के समय में करीब ढाई घंटे की बढ़ोतरी की है। हालांकि अभी मंदिर सेवायतों ने इसे लागू नहीं किया है।

समय बढ़ाने के विरोध में अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा, एडवोकेट दीपक शर्मा और गिरधारी लाल शर्मा ने सिविल जज जूनियर डिवीजन के यहां याचिका दायर की थी। उन्होंने तर्क दिया कि मंदिर की सेवा पूजा में कुछ भी बदलाव करने का आदेश हाईपावर कमेटी को नहीं है। इसके बाद भी समय बढ़ाने का आदेश दिया गया, जो गलत है। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर 2022 को सिविल जज जूनियर डिवीजन ने भी मंदिर में समय बढ़ाने का आदेश दिया था, जिस पर उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगा दी गई। वादी संजय हरियाणा ने बताया कि न्यायालय ने इस मामले में हाईपावर कमेटी को नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं।

तीन नवंबर को कमेटी के पदाधिकारियों को अपना जवाब दाखिल करना है। वादी पंडित गिरधारी शर्मा ने कहा कि हम ठाकुर जी के भक्त हैं। हम उनकी भावपूर्ण सेवा करते हैं। समय–समय पर हम उनकी नजर भी उतारते हैं। प्राण–प्रतिष्ठित मूर्ति है, कानून की दृष्टि में एक विधिक व्यक्तित्व है। उ नकी सेवा एक प्राणयुक्त विग्रह की तरह करते हैं। ऐसे में आस्था से खिलवाड़ करने का किसी को कोई अधिकार नहीं है।

मंदिर प्रबंधक ने कहा, वीआइपी दर्शन गोस्वामी ने कराए

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में वीआइपी दर्शन मामले में मंदिर प्रबंधक ने सारी ठीकरा मंदिर के गोस्वामी पर फोड़ दिया है। करीब एक माह पूर्व ठाकुर जी के गर्भगृह के सामने जगमोहन पर कुर्सी पर बैठकर दर्शन करने का वीडियो प्रसारित हुआ था। इस पर अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा ने सिविल जज जूनियर डिवीजन के न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। इस मामले में पार्टी बनाए गए डीएम और एसएसपी की ओर से अभी कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया। मंदिर के प्रबंधक ने जवाब दाखिल कया है। वादी संजय ने हरियाणा ने बताया कि प्रबंधक ने दाखिल जवाब में कहा है कि मंदिर की तरफ से किसी भी वीआइपी को पूजा नहीं कराई गई। उन्होंने पेन ड्राइव कोर्ट में दाखिल की है। उसमें उन्होंने सारा ठीकरा सेवायत बिहारी गोस्वामी के ऊपर फोड़ा है। मंदिर कार्यालय की तरफ से देहरी पूजन नहीं कराया जाता है।

मीरजापुर में भारी बारिश से मची तबाही, अहरौरा जलाशय के गेट खुले

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के पैतृक गांव में घुसा पानी

संवाददाता, मीरजापुर। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण अहरौरा जलाशय का भयावह दृश्य एक बार फिर से देखने को मिल रहा है। बारिश के चलते जलाशय लबालब भर गए हैं, जिससे जलस्तर में वृद्धि हो रही है। इस स्थिति के कारण अहरौरा बांध का जलस्तर 360 फीट से डेढ़ फीट ऊपर पहुंच गया है, जिसके चलते आठ गेट खोलकर पानी निकाला जा रहा है। अहरौरा और जरगो जलाशय से पानी छोड़ने के कारण निचले इलाकों में जलभराव की समस्या फिर से उत्पन्न हो गई है। स्थानीय निवासियों में जलजमाव से तबाही की आशंका बढ़ गई है। इसी बीच, जमालपुर के हसौली गांव के पटेल बस्ती के पास गड़ई नदी का तटबंध फिर से टूट गया है, जिससे कई घरों और मोहल्लों में पानी भर गया है।

भारी बारिश के कारण जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे प्रशासन को जल निकासी के उपाय करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अहरौरा जलाशय के गेट खोलने से आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। स्थानीय लोग इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं और राहत कार्यों की मांग कर रहे हैं। जलभराव के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को अपने घरों से मअंबनंजम होना पड़ा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।

इस बीच, मौसम विभाग ने आगामी दिनों में और अधिक बारिश की संभावना जताई है, जिससे जलस्तर और बढ़ने की आशंका है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

जलाशयों के बढ़ते जलस्तर और नदियों में आई बाढ़ ने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। ऐसे में, प्रशासन को चाहिए कि वह त्वरित कार्रवाई करते हुए बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तेज करे। स्थानीय निवासियों की सुरक्षा और उनके जीवन को सुरक्षित रखने के लिए यह आवश्यक है कि सभी संबंधित विभाग मिलकर काम करें। जलभराव की समस्या से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके। मीरजापुर में भारी बारिश के कारण उत्पन्न जलभराव की स्थिति ने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, और प्रशासन को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

मीरजापुर में भारी बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति होने से 50 गांवों पर संकट, प्रशासन तैयारी में जुटा

अहरौरा जलाशय में लगातार बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है जिससे लगभग 50 गांव प्रभावित हुए हैं। जलाशय में पानी क्षमता से अधिक होने के कारण आठ गेट खोले गए हैं। एसडीएम चुनार ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

संवाददाता, अहरौरा (मीरजापुर)। पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने अहरौरा जलाशय की स्थिति को गंभीर बना दिया है। जलाशय में पानी की मात्रा क्षमता से डेढ़ फीट अधिक पहुंचने पर शुक्रवार की रात को आठ गेट खोलकर पानी निकाला जाने लगा। इसके बावजूद, अन्य गेटों के ऊपर से पानी गिरने लगा, जिससे जलाशय का दृश्य भयावह हो गया। इस स्थिति की जानकारी मिलते ही शनिवार की सुबह एसडीएम चुनार, राजेश कुमार वर्मा जलाशय पर पहुंचे और सिंचाई विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

अहरौरा जलाशय पर रिकॉर्ड 150 एमएम बारिश दर्ज की गई है। शनिवार को पानी की आवक में कमी न आने पर 360 फीट क्षमता वाले अहरौरा जलाशय के आठ गेट और 320 फीट क्षमता वाले जरगो जलाशय के चार गेट खोलकर पानी निकाला गया। इसकी वजह से निचले इलाकों में पानी भरने की संभावना बढ़ गई है।

इस कारण अहरौरा और जमालपुर के 50 गांव तीसरी बार बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इससे किसानों की फसलें जलमग्न हो गई हैं और पशुओं के लिए संकट उत्पन्न हो गया है। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का पैतृक गांव भी बाढ़ से प्रभावित हुआ है। बाढ़ की जानकारी मिलते ही मंत्री ने उच्चाधिकारियों को बाढ़ से निपटने के लिए निर्देशित किया। जरगो जलाशय में पानी की मात्रा 321 फीट तक पहुंचने पर चार गेट खोले गए हैं। वहीं, जमालपुर में बाढ़ के पानी को नियंत्रित करने के लिए 360 फीट पर सभी गेटों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया जा रहा है। इस स्थिति ने स्थानीय निवासियों में चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि बाढ़ के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय प्रशासन ने बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य शुरू कर दिया है। प्रभावित गांवों में खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा, पशुओं के लिए चारा और चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। इस प्रकार, अहरौरा जलाशय की बाढ़ ने क्षेत्र के 50 गांवों को प्रभावित किया है, जिससे स्थानीय निवासियों को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन और सरकार की ओर से राहत कार्य जारी है, ताकि प्रभावित लोगों की सहायता की जा सके।

बिहार में चुनाव आयोग की बैठक खत्म

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ बैठक की। सत्तापक्ष ने जल्द और एक चरण में चुनाव कराने की मांग की है। चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा जल्द होने की उम्मीद है। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद मसौदा सूची से कई मतदाताओं को हटाया गया है।

राजनीतिक दलों ने की एक फेज में चुनाव कराने की मांग

पटना। बिहार चुनाव को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें सत्तापक्ष ने बिहार में जल्द और एक फेज में चुनाव करने की मांग रखी है। जदयू सांसद ने कहा कि संजय कुमार झा कहते हैं, "हमने चुनाव आयोग के सामने अपनी बात रखी। बिहार में ैप्ट हुआ है और बिहार देश को दिखाएगा कि ैप्ट कैसे होता है। हमने आग्रह किया है कि बिहार में एक चरण में चुनाव कराए जाएं। बिहार में कानून–व्यवस्था अच्छी स्थिति में है। अगर महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव हो सकते हैं, तो बिहार में क्यों नहीं।

चुनाव आयोग ने शनिवार को एक संदेश में कहा, "मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में, बिहार के सभी 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी, बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री विनोद गुंज्याल और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा शुरू हुई।"

जल्द हो सकते हैं चुनाव

चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा किसी भी समय किए जाने की उम्मीद है। यह समीक्षा भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा 30 सितंबर को बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद की जा रही है, जो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पूरा होने का प्रतीक है। अंतिम सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जबकि इस वर्ष 24 जून तक 7.89 करोड़ मतदाता थे। चुनाव आयोग की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं को हटा दिया गया है, और 1 अगस्त, 2025 तक मसौदा सूची में मतदाताओं की संख्या 7.24 करोड़ थी। इसमें कहा गया है कि मसौदा सूची से हटाए गए अपात्र मतदाताओं की संख्या 3.66 लाख थी, जबकि 21.53 लाख पात्र मतदाताओं को मसौदा सूची (फॉर्म 6) में जोड़ा गया, जिससे कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ हो गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एसआईआर प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326 और चुनाव आयोग के आदर्श वाक्य 'कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो' के अनुरूप की गई।

महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला

बिहार में चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले मौजूदा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला होने की उम्मीद है।

243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में, एनडीए के पास वर्तमान में 131 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 80, जेडी(यू) के पास 45, हम (एस) के पास 4 और दो निर्दलीय हैं। महागठबंधन के पास 111 सीटें हैं, जिसमें आरजेडी के पास 77, कांग्रेस के पास 19, सीपीआई(एमएल) के पास 11, सीपीआई(एम) के पास 2 और सीपीआई के पास 2 सीटें हैं। राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और पार्टियां एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगा रही हैं क्योंकि वे एक उच्च–दांव वाले चुनावी मुकाबले के लिए तैयार हैं।

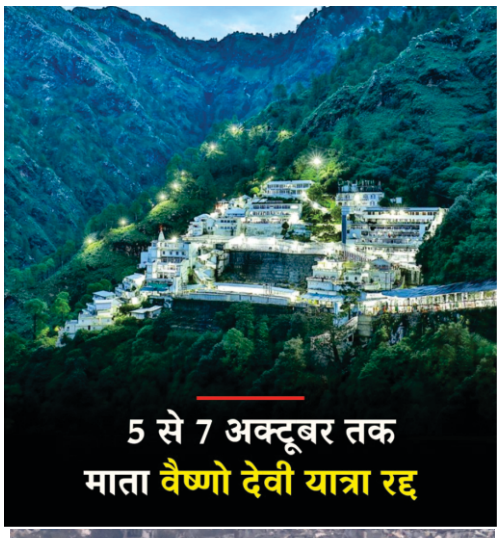

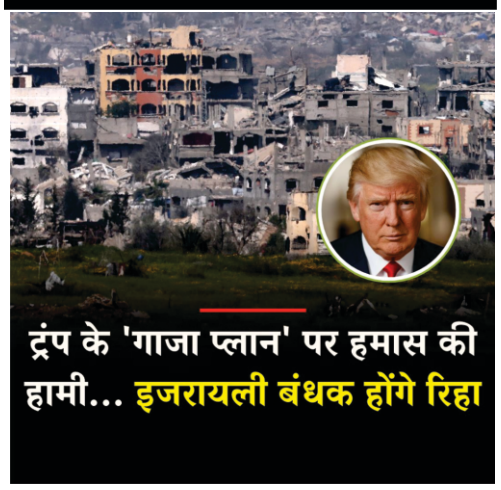

अब पेपर के बाद उम्मीदवारों को मिलेगी उत्तर जांच करने की सुविधा

एसएससी की ओर से छात्रों की सहूलियत के लिए आगामी परीक्षाओं में कई सुधार किए गए हैं।

अब उम्मीदवारों को परीक्षा के बाद अपने प्रश्न–पत्र दिए गए उत्तर और सही उत्तरों की जांच करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही उम्मीदवारों के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए ऑब्जेक्शन फीस में कटौती भी की गई है। यहां देखें एसएससी परीक्षा से संबंधित पूरी जानकारी।

नई दिल्ली। कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में शामिल अब सभी उम्मीदवार एसएससी की परीक्षाओं के बाद अपने प्रश्न–पत्र, दिए गए उत्तर और सही उत्तरों की जांच कर सकेंगे। दरअसल आयोग ने अपनी परीक्षाओं को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण नियम लागू किए हैं। एसएससी के अधिकारियों ने बताया कि यह कदम उम्मीदवारों की सहूलियत के लिए उठाए जा रहे हैं, इससे उम्मीदवारों को उत्तर कुंजी को चुनौती देने का मौका मिलेगा। साथ ही वे अपने रिकॉर्ड के लिए उत्तर कुंजी की कॉपी भी अपने पास रख सकेंगे। हालांकि मल्टी–शिफ्ट परीक्षाओं में यह सुविधा सीमित रहेगी, ताकि परीक्षा के बाद पेपर लीक की संभावना न हो।

ऑब्जेक्शन फीस में कटौती

एसएससी की ओर से उम्मीदवारों की सुविधा के लिए ऑब्जेक्शन फीस को भी कम कर दिया गया है। इससे उम्मीदवारों का वित्तीय बोझ कम होगा। नई अधिसूचना के मुताबिक अब उम्मीदवारों को प्रति प्रश्न के लिए 100 रुपये के बजाय 50 रुपये ऑब्जेक्शन फीस के रूप में जमा करनी होगी। बता दें, इससे पहले एसएससी की ओर से ऑब्जेक्शन फीस 100 रुपये निर्धारित की गई थी।

ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत

उम्मीदवारों की समस्याओं को हल करने और उनके सुझावों को आमंत्रित करने के लिए एसएससी की ओर से टोल–फ्री हेल्पलाइन 1800–309–3063 के अलावा अब ऑनलाइन फीडबैक और शिकायत पोर्टल भी शुरू किया गया है। ऑनलाइन फीडबैक और शिकायत पोर्टल के जरिये उन उम्मीदवारों को मदद मिलेगी जो परीक्षा से संबंधित अपनी समस्याओं को हल करना चाहते हैं या परीक्षा से संबंधित कुछ नये विचार आयोग के साथ साझा करना चाहते हैं।

पर्सेंटाइल स्कोर के आधार पर मूल्यांकन

एसएससी की ओर से यह भी कहा गया है कि अब उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनके रॉ मार्क्स के बजाय पर्सेंटाइल स्कोर के आधार पर किया जाएगा। इसके अलावा, परीक्षा में होने वाली धांधली को रोकने के लिए हर पेपर में अब आधार आधारित पहचान को अनिवार्य कर दिया गया है।

यह खबर आपके लिए जरूरी है क्योंकि इससे अब आप एसएससी की हर परीक्षा के बाद अपने उत्तरों का मूल्यांकन समय से कर सकेंगे। साथ ही आप अपनी समस्या के निवारण और सुझावों को भी अब एसएससी की ऑनलाइन फीडबैक और शिकायत पोर्टल के साथ साझा कर सकते हैं। यही नहीं एसएससी ने आपकी सुविधा के लिए ऑब्जेक्शन फीस को भी कम कर दिया है, जिससे आप अधिक से अधिक प्रश्न के लिए अपनी आपत्ति को दर्ज कर सकते हैं।

'द बैड्स आफ बालीवुड' का स्क्रीनिंग इवेंट

कौन हैं शाहरुख की होने वाली बहू

बैड्स आफ बालीवुड की स्क्रीनिंग पर छाई आर्यन की रुमर्ड गर्लफ्रेंड

एंटरटेनमेंट डेस्क। आर्यन खान की डेब्यू सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की स्क्रीनिंग में सबसे ज्यादा लाइमलाइट बटोरी उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड लारिसा बोनेसी ने। कौन हैं लारिसा, चलिए आपको बताते हैं। आर्यन खान की डेब्यू वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीमियर मुंबई के एनएमएसीसी में आयोजित हुआ, लेकिन इस इवेंट की असली स्टार रहीं ब्राजीलियन मॉडल और एक्ट्रेस लारिसा बोनेसी। रेड कार्पेट पर उनके अंदाज ने सभी को इंप्रेस कर दिया। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं और फैंस उन्हें मजाकिया अंदाज में लोग भाभी भी कहकर बुला रहे हैं। कौन हैं लारिसा बोनेसी, चलिए जानते हैं।

फिल्म 'देसी बॉयज' में आ चुकीं नजर

लारिसा का करियर बेहद दिलचस्प है। 28 मार्च 1994 को ब्राजील में जन्मी लारिसा ने 13 साल की उम्र से ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने चीन, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में मॉडलिंग असाइनमेंट किए और बाद में साल 2011 में मुंबई आ गईं। बॉलीवुड में उनका पहला काम था फिल्म 'देसी बॉयज' के सुपरहिट गाने 'सुबह होने ना दे' में बैकग्राउंड डांस करना।

अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन को यह निर्देशक करना चाहता है लॉन्च

एंटरटेनमेंट डेस्क। काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा की सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। उनकी तस्वीरें और वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायर होते हैं। हालांकि वह अपने बारे में लोगों को बहुत कम ही बताती हैं। वह कई बार पैपराजी अकाउंट्स और अपने दोस्तों के सोशल मीडिया फीड पर नजर आती हैं। ऐसे में, उनके बॉलीवुड में कदम रखने की संभावना को लेकर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि काजोल और अजय देवगन अक्सर कहते रहे हैं कि उनकी बेटी को एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। अब काजोल ने बताया है कि करण जौहर उन्हें लॉन्च करने में रुचि रखते हैं।

करण जौहर ने किया कोजोल को फोन?

हाल ही में शुभंकर मिश्रा के साथ बातचीत में काजोल से पूछा गया कि करण जौहर तो आपके दोस्त हैं। ऐसे में क्या उनके बच्चों को फिल्मों के लिए अप्रोच किया जा रहा है? इस सवाल के जवाब में काजोल ने कहा '1–2 बार फोन आए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी बेट अभी फिल्मों में नहीं आएगी। अगर वह कुछ करना चाहती है, तो वह हमें बताएगी। ऐसे में हम 100 फीसद उसके साथ हैं।'

सफेद ड्रेस में आलिया ने शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

एंटरटेनमेंट डेस्क। दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट आपस में अच्छी बॉन्डिंग शेयर करती हैं। अब दीपिका ने आलिया की तस्वीर पर कमेंट किया है, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है।शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से ओटीटी की दुनिया में बतौर निर्देशक एंट्री कर रहे हैं। उनका पहला शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' आज से स्ट्रीम हो रहा है। इससे पहले शो की स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने शिरकत की। इस दौरान अभिनेत्री आलिया भट्ट भी पति व अभिनेता रणबीर कपूर के साथ इस कार्यक्रम में पहुंचीं। इवेंट में जाने से पहले आलिया ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। अब इन तस्वीरों पर दीपिका पादुकोण के कमेंट ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दी

पका ने की आलिया की तारीफ

आलिया 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की स्क्रीनिंग में सफेद रंग की रिवीलिंग कट–आउट ड्रेस पहनकर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने साथ में एक मैचिंग का शानदार हैंडबैग भी पकड़ा था। स्क्रीनिंग में शिरकत करने से पहले आलिया ने इस ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। इन तस्वीरों पर एक्ट्रेस की मां सोनी राजदान समेत कई लोगों ने कमेंट करके आलिया की तारीफ की। लेकिन जिस कमेंट ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा, वो एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का कमेंट था। दीपिका ने तारीफ करते हुए कमेंट में आलिया को शानदार बताया। दीपिका ने कमेंट में लिखा, 'स्टनिंग'।

रणबीर के साथ आलिया ने की ट्यूनिंग

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की स्क्रीनिंग में आलिया पति रणबीर कपूर के साथ पहुंची थीं। इस दौरान अभिनेत्री रणबीर के साथ ट्यूनिंग करती नजर आईं। इस दौरान रणबीर सफेद कलर के ब्लेजर और शर्ट के साथ ब्लैक कलर की पैंट में नजर आए। जबकि आलिया भी सफेद आउटफिट में थीं। दोनों ने इस दौरान मुस्कुराहट के साथ पैपराजी को पोज भी दिए।

'कपड़ों से लेकर रिश्तों तक पर मुझे ट्रोल किया गया'

एंटरटेनमेंट डेस्क। अपनी हॉट अदाओं और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर मलाइका अरोड़ा ने आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा? बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपने हॉट अंदाज और डांस नंबर्स के अलावा अपनी बेबाकी को लेकर भी जानी जाती हैं। मलाइका अपनी पर्सनल लाइफ, अपनी रिलेशनशिप और फैशन के मुद्दों पर खुलकर राय रखती हैं। अब एक बार फिर मलाइका ने बताया कि कैसे वो ट्रोलिंग का सामना करती हैं। किस तरह से ये आलोचनाएं, उन्हें और मजबूत बनने व जीवन में आगे बढ़ने में मदद करती हैं।

वही कहानी मायने रखती है, जो आप खुद के लिए लिखते हैं

हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत के दौरान मलाइका ने बताया कि यह मुश्किल था क्योंकि लोग आपको यह बताना पसंद करते हैं कि आपको क्या होना चाहिए और क्या नहीं। मुझे मेरे करियर, मेरे कपड़ों, मेरे रिश्तों हर चीज के लिए आंका गया। लेकिन जिस दिन मैंने खुद को समझाना बंद कर दिया, उसी दिन मुझे आजादी का एहसास हुआ। मेरी सबसे बड़ी सीख है कि सिर्फ वही कहानी मायने रखती है जो आप खुद के लिए लिखते हैं।

मैंने हमेशा अपनी शर्तों पर जी है जिंदगी

मलाइका ने आगे कहा कि उन्होंने हमेशा जिंदगी अपनी शर्तों पर जी है, चाहे वह फैशन हो, फिटनेस हो या निजी फैसले। मेरा मानना है कि असली आत्मविश्वास खुद के प्रति ईमानदार रहने से आता है, लेकिन हां, आत्म–संदेह स्वाभाविक है। मेरे लिए आत्मविश्वास का मतलब कठिनाइयों के बावजूद शालीनता से आगे बढ़ना है।

अपने रिश्तों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं मलाइका

मलाइका अक्सर अपने रिश्तों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। 2017 में अरबाज खान से अपनी शादी टूटने के बाद, वो अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ रिश्ते को लेकर काफी चर्चाओं में रहीं।

दोनों ने कुछ साल तक एक–दूसरे को डेट किया, लेकिन पिछले साल कथित तौर पर उनका ब्रेकअप हो गया।

अपने पूरे रिश्ते के दौरान, उन्हें उम्र के फासले को लेकर लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। हालांकि, मलाइका बेबाक रहीं, उन्होंने खुलकर अर्जुन के प्रति अपने प्यार का इजहार किया और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती रहीं।

एशिया कप जीत के बाद अभिषेक शर्मा शुभमन गिल का जश्न

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के तौर पर एक लग्जरी हैवल एच9 एसयूवी गिफ्ट की गई। वह शुभमन गिल के साथ इस कार में सेल्फी लेते दिखे। एशिया कप 2025 फाइनल में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर लगातार नौवीं बार खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद पुरस्कार समारोह में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा रहा। प्लेयर ऑफ द मैच से लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट तक, लगभग सभी अवॉर्ड्स भारत की झोली में आए। इसी कड़ी में अभिषेक शर्मा ने एक एसयूवी कार भी जीती। इसका जश्न वह अपने जिगरी दोस्त शुभमन गिल के साथ मनाते दिखे। इसका वीडियो भी सामने आया है।

तिलक वर्मा की जीत में अहम पारी

दुबई में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और पाकिस्तान की टीम को 146 रनों पर ढेर कर दिया। कुलदीप यादव ने चार विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत लड़खड़ाई और शुरुआती तीन विकेट महज 20 रन पर गिर गए। लेकिन तिलक वर्मा ने नाबाद 69 रनों की जुझारू पारी खेलते हुए भारत को जीत दिलाई। भारत ने लक्ष्य दो गेंद शेष रहते हासिल किया।

अभिषेक शर्मा बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे। उन्होंने सात मैचों में 314 रन बनाए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड अपने नाम किया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के तौर पर एक लग्जरी हैवल एच9 एसयूवी गिफ्ट की गई।

नो हैंड शेक से नकवी को आईना दिखाने तक

तीन रविवार, तीन मुकाबले

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 इस बार सिर्फ क्रिकेट नहीं बल्कि तनाव और विवादों के लिए भी याद रखा जाएगा। तीन रविवार, तीन मुकाबले और हर मैच के साथ बढ़ता टकराव, यही इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी कहानी बन गई। आइए पूरी कहानी जानते हैं । एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को दोनों टीमों के बीच दुबई में पहला मुकाबला खेला गया। भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में सात विकेट से हराया।

सूर्यकुमार ने लगाया नकवी पर बड़ा आरोप! बताया पुरस्कार समारोह में क्या हुआ

'वो ट्रॉफी लेकर भाग गए

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम ने पहले ही यह एलान कर दिया था कि खिलाड़ी नकवी के हाथों से ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेंगे। इस फैसले का सम्मान करने के बजाय नकवी जिद पर अड़े रहे और स्टेज पर ही खड़े रहे। बाद में वह खुद ट्रॉफी उठाकर वहां से होटल भाग गए। अब इस पूरे मामले पर सूर्यकुमार यादव ने प्रकाश डाला है। एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर भारतीय टीम जब ट्रॉफी का इंतजार कर रही थी, तब एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी उनसे यह खुशी छीनने की प्लानिंग कर रहे थे। दरअसल, भारतीय टीम ने पहले ही यह एलान कर दिया था कि खिलाड़ी नकवी के हाथों से ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेंगे। इस फैसले का सम्मान करने के बजाय नकवी जिद पर अड़े रहे और स्टेज पर ही खड़े रहे। बाद में वह खुद ट्रॉफी उठाकर वहां से होटल भाग गए। अब इस पूरे मामले पर सूर्यकुमार यादव ने प्रकाश डाला है।

भारत ने नकवी के हाथ से नहीं ली ट्राफी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उनकी टीम ने पहले ही मोहसिन नकवी को पाकिस्तान प्रतिनिधि के रूप में देखते हुए ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। एसीसी अधिकारियों ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की और सुझाव दिया कि पुरस्कारों की प्रस्तुति एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी करें, लेकिन नकवी ने ऐसा नहीं होने दिया। लगभग एक घंटे तक चले तनाव के बाद आयोजकों ने चुपचाप ट्रॉफी ले ली, जबकि व्यक्तिगत प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी जैसे तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को सम्मानित किया गया।

ट्रश्फी विवाद पर सूर्यकुमार ने बयां की सच्चा

इंडियन एक्सप्रेस से इस मामले पर बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'हमने दरवाजा बंद नहीं किया और ड्रेसिंग रूम के अंदर नहीं बैठे। हमने पुरस्कार समारोह के लिए किसी को इंतजार नहीं करवाया। ट्रॉफी लेकर भाग गए वो। मैंने यही देखा। मुझे नहीं

पता, कुछ लोग हमारा वीडियो बना रहे थे, लेकिन हम खड़े थे। हम अंदर नहीं गए।' ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि भारत ने नकवी से ट्रॉफी इसलिए स्वीकार नहीं की क्योंकि वे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) या सरकारी अधिकारियों के निर्देशों का पालन कर रहे थे। लेकिन भारतीय कप्तान ने ऐसी बातों को खारिज करते हुए कहा कि यह मैदान पर लिया गया टीम का फैसला था। उन्होंने कहा, 'सबसे पहले मैं यह स्पष्ट कर दूं कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान सरकार या बीसीसीआई में से किसी ने भी हमें यह नहीं बताया कि अगर कोई ट्रॉफी देगा, तो हम उसे नहीं लेंगे। हमने यह फैसला मैदान पर खुद ही लिया। वे (एसीसी अधिकारी) मंच पर खड़े थे और हम नीचे खड़े थे। मैंने उन्हें मंच पर बात करते देखा और मुझे उनकी बातचीत का ब्यौरा नहीं पता। भीड़ में से कुछ लोगों ने हूटिंग शुरू कर दी। और फिर हमने देखा कि उनका प्रतिनिधि ट्रॉफी लेकर भाग रहा था।'

फैंस और दर्शकों ने भी जताई नाराजगी

इस दौरान सूर्या ने यह स्पष्ट किया कि उनकी टीम का कोई भी खिलाड़ी मैच के तुरंत बाद अपने फोन लेने के लिए ड्रेसिंग रूम के अंदर नहीं गया था। टीम के सहयोगी स्टाफ ने उनको मैदान पर उनके फोन लाकर दिए थे। मैच के दौरान स्टैंड में बैठे दर्शकों और सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस ने अपनी नाराजगी जाहिर की। दर्शकों ने तो 'भारत माता की जय' और 'मोदी–मोदी' के नारे तक लगाए। जैसे ही पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा स्टेज की ओर बढ़े, उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा। इससे बौखलाए नकवी मैदान छोड़ भारत की ट्रॉफी के साथ भाग खड़े हुए। दूसरी ओर, पाकिस्तान की टीम मैच खत्म होने के बाद लंबे समय तक ड्रेसिंग रूम में रही, जिससे नकवी काफी देर तक अकेले और असहज स्थिति में दिखे।

भारतीय महिला हाकी टीम ने U19 आस्ट्रेलिया टीम को हराया

कनिका सिवाच ने दागा विजयी गोल

स्पोर्ट्स डेस्क,। सिवाच ने 32वें मिनट में विजयी गोल दागा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारत ने तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में सिवाच के गोल के दम पर बढत बना ली जो अंत तक कायम रही। कनिका सिवाच के गोल की मदद से भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दौरे के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर 21 टीम को 1–0 से हराया। सिवाच ने 32वें मिनट में विजयी गोल दागा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारत ने तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में सिवाच के गोल के दम पर बढत बना ली जो अंत तक कायम रही।

भारत को इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की अंडर 21 टीम ने दो मैचों में हराया, लेकिन इस जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास लौटा होगा। उसे अब ऑस्ट्रेलिया प्रीमियर हॉकी वन लीग खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल से अगले दो मैच खेलने हैं।

अमृतसर की गलियों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभिषेक ने छोड़ी छाप

स्पोर्ट्स डेस्क। अभिषेक का बल्ला एशिया कप में काफी चमक रहा है और वह अब तक पांच मैचों में 248 रन बना चुके हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अभिषेक ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई है और वह लगातार टीम के लिए अच्छी पारी खेल रहे हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एशिया कप में भारतीय टीम के लिए दमदार प्रदर्शन किया। अभिषेक ने लगातार तीन अर्धशतक लगाकर टीम इंडिया को फाइनल में पहुंचने में मदद की। अभिषेक अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जाना पहचाना नाम बन गए हैं, लेकिन उनके लिए इस स्तर पर पहुंचना आसान नहीं रहा।

टीम को दिला रहे मजबूत शुरुआत

अभिषेक का बल्ला एशिया कप में काफी चमक रहा है और वह अब तक पांच मैचों में 248 रन बना चुके हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अभिषेक ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई है और वह लगातार टीम के लिए अच्छी पारी खेल रहे हैं। अभिषेक ने मौजूदा टूर्नामेंट में यूएई के खिलाफ 30, पाकिस्तान के खिलाफ 31, ओमान के खिलाफ 38, पाकिस्तान के खिलाफ 74 और बांग्लादेश के खिलाफ 75 रनों की पारी खेली है। अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर ही अभिषेक टी20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं।

आईपीएल से कमाया नाम

27 मार्च 2024 की शाम थी। रोशनी से जगमगाते हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में जब सनराइजर्स ने मुंबई इंडियंस का सामना किया, तो दर्शकों की नजरें पहले ट्रेविस हेड पर टिकी थीं। हेड ने महज 18 गेंदों पर अर्धशतक लगाया,

लेकिन असली आतिशबाजी तब हुई जब पंजाब के अमृतसर से आए बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर उतरे। सिर्फ 23 गेंदों में सात छक्के और तीन चौकों से मुंबई के दिग्गज गेंदबाजों को चारों खाने चित्त कर दिया। उनकी इस धुआंधार पारी ने न सिर्फ मैच का रुख बदल दिया बल्कि उन्हें देशभर की सुर्खियों में ला खड़ा किया। बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज और उपयोगी स्पिनर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले अभिषेक का करियर अब तक शानदार उपलब्धियों से भरा रहा है। हालांकि, भारतीय टीम तक का सफर इतना आसान नहीं रहा है। उन्हें कई चुनौतियों और संघर्षों का सामना करना पड़ा है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।